मैंने झोली फैला दी कन्हैया | By Mukesh Bagda

मैंने झोली फैला दी कन्हैया
अब खज़ाना तू प्यार का लुटा दे
अब खज़ाना तू प्यार का लुटा दे
अब खज़ाना तू प्यार का लुटा दे
मैंने झोली .....

आया बन के मैं प्रेम पुजारी
आया बन के मैं दर का भिखारी
देदे झोली में इतना दयालु
मांगने की ये आदत छुड़ा दे
मैंने झोली .....

मुझको इतनी शर्म आ रही है
ना जुबां से कही जा रही है
तूने लाखों की बिगड़ी बनाई
आज मेरी भी बिगड़ी बना दे
मैंने झोली .....

ऐसे कब तक चलेगा गुज़ारा
थाम ले आके दामन हमारा
हो सके तो दया कर दयालु
अपने चरणों की सेवा में लगा ले
मैंने झोली .....

आज बनवारी दिल रो रहा है
जो कभी ना हुआ हो रहा है
एक तमन्ना है मरने से पहले
अपना दर्शन मुझे भी करा दे
मैंने झोली .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%88%e0%a4%82%e0%a4%a8%e0%a5%87-%e0%a4%9d%e0%a5%8b%e0%a4%b2%e0%a5%80-%e0%a4%ab%e0%a5%88%e0%a4%b2%e0%a4%be-%e0%a4%a6%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a5%88%e0%a4%af/